2nd Notification

B. L. INSTITUTE OF INDOLOGY

(A pioneer Institute of Jainology and Prakrit)

Workshop on the 'Tattvarthasutra'of Vacaka Umasvati

(From the 25th of February to 6th of March, 2024)

We are happy to announce that our next (Sixth) workshop on the exposition of the **Tattvarthasutra of Vacaka Umasvati** is going to take place from the **25th of February 2024 to 6th of March, 2024.**

The *Tattvarthasutra* is one of the oldest and the most fundamental text of the Jain philosophy and practice. This was composed by Vacaka Umasvati by going through and minutely perusing all the previously existing Agama texts composed in the Ardhamagadhi Prakrit. Umasvati condensed this knowledge in the form of small but precise Sanskrit *sutras* as was in vogue those days with regard to the philosophical texts (cf. *Brahmasutra, Mimansasutras & Nyaya sutras*).

The *Tattvarthasutra* not only describes precisely the metaphysics and ontology of the Jain belief but also its ethics, practice theory of Karma, cosmology and means of final liberation, etc. A proper study and understanding of the Tattvarthasutra leads to a proper comprehension of even the most difficult Jain philosophical texts composed later.

The text shall be taught by a team of profound scholars well-versed in the subject mostly in Hindi medium. The ten Chapters of the text are usually covered in 10 days.

Course Eligibility: Those who are at least M.A. (or Acharya) or above in Indian philosophy, Jain or Bauddh philosophy can seek admission to the course. M. Phil or Ph.D. holders in Jainology will be given preference. ***Even otherwise Basic knowledge of Sanskrit is a must for candidates.***

Timings: Teaching hours are usually between **9.30 am to 5.30 pm. hours**.

Facilities: The course is totally residential. Lodging and boarding shall be provided by the Institute at the Guest House of the Vallabh Smarak free of charge.

Fees: The registration fees for the course is **Rs. 500/-** which can be paid by cheque or draft (in favour of ***Bhogilal Leherchand Institute of Indology***) or in cash or direct Transfer to our Acct. No. **520101011275339** at Union Bank of India, Alipur, Delhi 110036, IFSC Code : UBIN0905852

Note : Those who have already attended said course, requested not to apply.

Last date for receiving applications is 10th February, 2024

Address for communication – Prof. Vijay Kumar Jain, Director, B. L. Institute of Indology, Vijay Vallabh Smarak Complex, Jain Mandir, G.T. Karnal Road, Post Alipur, Delhi 110036**, Mob. 9140066105, email: director@blinstitute.org; blinstitute1984@gmail.com**, Prof. M. Chandra Shekhar – Mob. 9769584349, Office - Laxmi Kant – 9891354932

द्वितीय सूचना

भोगीलाल लहेरचन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी

विजय वल्लभ स्मारक जैन मंदिर, जी. टी. करनाल रोड, पोस्ट अलीपुर, दिल्ली 110036

वाचक उमास्वाति कृत '*तत्त्वार्थसूत्र*' पर राष्ट्रीय कार्यशाला

(25 फरवरी से 06 मार्च 2024 तक)

सहर्ष सूचनीय है कि यह भोगीलाल लहेरचन्द इन्स्टोट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी, पुनः जैन-दर्शन के आधारभूत प्रथम संस्कृत ग्रन्थ **वाचक उमास्वाति कृत 'तत्त्वार्थसूत्र'** (तत्त्वार्थाधिगमसूत्र) पर ग्यारह-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है जो **25 फरवरी से 06 मार्च 2024 तक** सम्पन्न होगी।

प्रस्तुत ग्रन्थ सूत्रशैली में विरचित, जैन-दर्शन परम्परा की एक अति महत्त्वपूर्ण संस्कृत रचना है। इसका प्रणयन विक्रम सम्वत् की प्रारम्भिक शताब्दियों में आगमों का सार सूत्र शैली में किया गया है। इसके माध्यम से जैन तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा, आचारमीमांसा, जैन कर्म सिद्धान्त, लोक, मोक्ष आदि विषयों का सम्यक् ज्ञान हा जाता है। जैन-दर्शन के प्रमुखतम और प्राचीनतम संस्कृत ग्रन्थों में यह सर्वश्रेष्ठ है।

पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए योग्यता – कार्यशाला में भाग लेने के लिये भारतीय दर्शन, जैन या बौद्ध दर्शन, अथवा संस्कृत में कम से कम परास्नातक योग्यता (एम. ए. या आचार्य) अपेक्षित है। जो व्यक्ति जैन विद्या से सम्बन्धित विषयों पर एम.फिल् या पी-एच.डी. उपाधि हेतु कार्य कर रहे हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यशाला का माध्यम सामान्यतः हिन्दी भाषा रहेगी।

इस कार्यशाला में जिज्ञासु प्रतिभागियों को **तत्त्वार्थसूत्र** का सूत्रां के ऊपर आधारित गहन अध्ययन कराया जाएगा। **सूत्रों का अध्यापन इसकी स्वोपज्ञवृत्ति (तत्त्वार्थाधिगमभाष्य) सर्वार्थसिद्धि, राजवार्तिक, श्लोकवार्तिक आदि** को आधार बनाकर किया जाता है। साथ ही ग्रन्थ में विवेचित प्रमुख अवधारणाओं को अन्य ग्रन्थों के आधार पर भी विस्तार से व्याख्या की जाती है। जैन-विद्या का अल्प समय में ही ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक एवं जैन-विद्या के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिभागियों के लिए यह कार्यशाला अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। जो छात्र यू.जी.सी. नेट की तैयारी कर रहे हैं, उनको भी उपयोगी होगा। महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों को भी कार्यशाला में सम्मिलित होने का लाभ मिलता है।

कार्यशाला का समय - यह कार्यशाला पूर्णतः आवासीय है और अध्ययन क्रम प्रातः 9:30 बजे से लेकर सायं 5:00 बजे तक चलता है। इसी बीच में समय-समय पर भोजन एवं चाय आदि की व्यवस्था है।

कार्यशाला में पंजीकरण हतु आवेदन राशि केवल रु. 500 है, प्रतिभागियों के लिये आवास, जैन-भोजन, पुस्तकादि की समुचित व्यवस्था **पूर्णतः निःशुल्क** है। आवेदन राशि का भुगतान ***Bhogilal Leherchand Institute of Indology*** के नाम बैंक ड्राफ्ट, चेक या नगद भुगतान या सीधे बैंक द्वारा ट्रांस्फर संस्थान के Acct. No. 520101011275339 (IFSC Code UBIN0905852) में किया जा सकता है।

सूचना - इस कार्यशाला में जो प्रतिभागी सम्मिलित हो चुके हैं कृपया पुनः आवेदन न करें।

आवेदन करने की अंतिम तिथि – 10 फरवरो, 2024 है। आवेदन इ-मेल द्वारा भी किया जा सकता है। चयनित प्रतिभागियों को सूचित किया जायेगा।

सम्पर्क - प्रो. विजय कुमार जैन, निदेशक, मो. 9140066105, प्रो. एम. चन्द्रशेखर 9769584349,
कार्यालय- श्री लक्ष्मी कान्त 9891354932, director@blinstitute.org; blinstitute1984@gmail.com

Bhogilal Leherchand Institute of Indology

APPLICATION FORM

Workshop on Tattvarthasutra of Umasvati

25TH FEBRUARY 2024 to 06TH MARCH 2024

Paste your stamp size photograph

1. **Name of the applicant :** .....
2. **Date of Birth:** .....
3. **Educational Qualifications:**

Name of the Examination	*Name of University*	*Year of Passing*	*Subjects / specialisation*	*Division & % of marks*
High School				
B.A				
M.A.				
Ph.D				

4. **Present Engagement / Occupation** : .....
5. **Full Postal Address** :.....

   .....

   .....
6. **E-mail ID. with Phone No.** :..... .....
7. **DD/Cheque/Direct Bank Tr. No.:** .....
8. **Title of the M. Phil. dissertation /Ph. D. thesis, if pursuing Research work, or have finished it**:

   .....

   .....

9. Give details about your knowledge of Sanskrit and Indian Philosophy : .....

.....

10. Purpose of Workshop: - .....

Place:

Date: Signature of the Candidate

Please Note :

1. Paste one stamp size photograph on the space given on the application form and also attach an additional photo for identity card with your application.
2. Enclose photocopies of yours Master's /Doctorate certificates.
3. Candidates shall be informed of their admission by e-mail or phone.